षोडश

बिहार विधान सभा

नवम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 18 फाल्गुन, 1939 (श0)
09 मार्च, 2018 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 06

(1)	स्वास्थ्य विभाग	.. ..	04
(2)	योजना एवं विकास विभाग	.. ..	01
(3)	आपदा प्रबंधन विभाग	.. ..	01
		कुल योग —	06

बजट में राशि बढ़ाना

12. श्री श्याम रजक--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पी0आर0एस0 लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार राज्य के स्वास्थ्य बजट में 2016-17 की तुलना में 2017-18 में 15.5 प्रतिशत की कटौती की गई है, यदि हाँ, तो क्या सरकार 2018-19 के स्वास्थ्य विभाग के बजट में राशि बढ़ाये जाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

राशि खर्च करना

13. श्री ललित कुमार यादव--स्थानीय हिन्दी समाचार-पत्र में दिनांक 16 नवम्बर, 2017 को प्रकाशित शीर्षक "सात माह में 85,967 करोड़ में 25,582 करोड़ ही हो सके खर्च" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 के प्रथम सात माह में पथ निर्माण विभाग द्वारा 45 प्रतिशत, ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 37 प्रतिशत सहित सभी विभागों द्वारा मात्र 35 प्रतिशत ही राशि खर्च की गई है, यदि हाँ, तो योजना मद की प्रावधानित राशि खर्च नहीं किये जाने का क्या औचित्य है ?

कार्रवाई करना

14. श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी--दिनांक 10 जनवरी, 2018 को दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक "Purnia Teachers told to submit fake flood relief bills, 4 officers under scanner" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गत वर्ष पूर्णियाँ जिलान्तर्गत बायसी अनुमंडल के चार प्रखंड यथा बायसी, बायसा, अमौर एवं डगरूआ बूरी तरह बाढ़ से प्रभावित हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्णित प्रखंडों के बाढ़पीड़ितों के बीच मुआवजे की राशि के वितरण में कई करोड़ रु0 की अनियमितता की गई जिसके लिये संबंधित पदाधिकारियों द्वारा मुआवजा वितरण के कार्य में लगे शिक्षकों से जाली बिल तैयार करवाया गया था ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मुआवजे के भुगतान में करोड़ों रु0 की राशि की हुई अनियमितता की जाँच कराकर कबतक दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

15. श्री संजय सरावगी--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 9 जनवरी, 2018 के अंक में प्रकाशित शीर्षक ''प्रबन्धकीय अक्षमता से डी0एम0सी0एच0 में लाखों के सामान बर्बाद'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बरसात के पूर्व जून, 2017 में दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में क्रय किये गये जीवनरक्षक दवाइयाँ, स्लाईन एवं अन्य उपचार सामग्री सहित 46 कंबल, 38 गद्दा, चार बंडल में रखे पर्दे, चादर एवं अन्य सामग्रियों को गैर-स्टोर (डायट विभाग के रूम) में रख देने के बाद समुचित रख-रखाव नहीं होने के कारण लाखों का सामान बर्बाद हो गया ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो खंड (1) में वर्णित सामानों की बर्बादी के लिये दोषी अधिकारी एवं कर्मचारी को चिह्नित कर सरकार कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सकों की नियुक्ति करना

16. श्री श्याम रजक--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुष्ठ, मलेरिया, फलेरिया, कालाजार के नियंत्रण हेतु अलग-अलग कार्यक्रम चलाये जाते हैं जिसके नियंत्रण हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों की आवश्यकता पड़ती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इन सभी बीमारियों को नियंत्रण करने से संबंधित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के पदों पर सामान्य चिकित्सक नियुक्त हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

दर का निर्धारण

17. श्री नीरज कुमार--हिन्दी समाचार-पत्र में दिनांक 14 दिसम्बर, 2017 को प्रकाशित शीर्षक जाँच पर ''करोड़ों रुपये सालाना कमीशन, डॉक्टरों के तय हैं अपने पैथोलॉजी लैब'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार में आम जनता का करोड़ों रुपये सालाना प्राईवेट पैथोलॉजी में जाँच के नाम पर कमीशन के रूप में चला जाता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार प्राइवेट पैथोलॉजी में सभी तरह के जाँच हेतु उचित दर का निर्धारण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 9 मार्च, 2018 (ई0) ।

राम श्रेष्ठ राय,
सचिव,
बिहार विधान सभा ।

बि0स0मु0 (एल0ए0), 109-डी0टी0पी0-550